

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन महिलाँ नेतृत्व



नारी - शक्ति: ज्ञान और विश्वशांति
की शिल्पी



8th - 9th

अक्टूबर, 2026

आयोजक:

भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली

सह-आयोजक:

G100 - Universities and Thought Leadership Wing

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

आतिथ्य संस्थान:

झारखंड राय विश्वविद्यालय, राँची



सम्मेलन के विषय में

महिलाओं ने ऐतिहासिक रूप से ज्ञान के निर्माण, सामाजिक मूल्यों के संवर्धन तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह विरासत भारतीय ज्ञान परंपरा के आदर्शों से गहराई से जुड़ी हुई है। आज के समय में, जब सामाजिक-आर्थिक असमानता, पर्यावरणीय चुनौतियाँ और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के समक्ष खतरे बढ़ रहे हैं, तब महिला नेतृत्व की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गई है। शिक्षिकाओं, विदुषियों, नेत्रियों, पेशेवरों, उद्यमियों और सामाजिक सुधारकों के रूप में महिलाओं का योगदान न केवल बौद्धिक विकास को बल्कि सामाजिक सद्भाव और शांति को भी सुदृढ़ कर सकता है।

महिला नेतृत्व पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को “नारी शक्ति : ज्ञान और विश्व शांति की शिल्पी” विषय के अंतर्गत एक चिंतन मंच के रूप में परिकल्पित किया गया है। यह सम्मेलन विचारशील नेतृत्वकर्ताओं को आत्मनिर्भर एवं समग्र विकास के लिए परिवर्तनकारी दृष्टिकोण और समाधान पर चर्चा, चिंतन और विकास हेतु एक मंच प्रदान करता है। सार्थक संवाद और नवाचार के लिए विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से सम्मेलन यह रेखांकित करने का प्रयास करता है कि धारणक्षम विकास और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने तथा शांतिपूर्ण और लचीले समाज के निर्माण के लिए महिला नेतृत्व की सहभागिता कितनी आवश्यक है। इसका उद्देश्य वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का निर्माण करना है, जहाँ महिला नेतृत्व बौद्धिक विकास, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरणीय संरक्षण व संवर्धन और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को भी दिशा दे सके।

यह सम्मेलन महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ उनके विचारों, नेतृत्व और कर्तृत्व को सशक्त बनाने का आह्वान करता है, ताकि उन्हें स्थायी परिवर्तन के वाहक के रूप में अग्रिम पंक्ति में लाया जा सके। यह आयोजन न केवल महिलाओं की सफलता को रेखांकित करेगा, बल्कि नई सोच, पहलों और साझेदारियों पर भी विचार करेगा, जो आने वाले कल के विश्व को आकार देंगी।

दृष्टि

आज विश्व की अनिवार्य आवश्यकताओं के रूप में ज्ञान,मूल्यबोध, संवेदना,करुणा और समावेशन की आवश्यकता है। ऐसे में, अंतर्राष्ट्रीय महिला नेतृत्व सम्मेलन के द्वारा ज्ञान आधारित समाज व्यवस्था में मूल्यबोध,करुणा,संवेदना और समरसता के सामंजस्य से ज्ञान की शिल्पी और विश्वशांति की प्रस्ताविका के रूप में नारी -शक्ति को प्रस्थापित करने की परिकल्पना की गई है।

अपेक्षित प्रतिभागी

यह सम्मेलन एक समावेशी और बहुविषयक मंच के रूप में परिकल्पित है। अतः निम्नलिखित क्षेत्रों से प्रतिभागिता अपेक्षित है:

- शिक्षा, शोध और अकादमिक क्षेत्र की महिलाएँ
- नीति निर्माण और शासन -प्रशासन के कार्यों में संलग्न महिलाएँ
- सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक क्षेत्र की प्रतिनिधि महिलाएँ
- सामुदायिक कार्यों, उद्यमिता एवं गैर-सरकारी संगठनों की अग्रणी महिलाएँ

उद्देश्य

महिला नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- विभिन्न सभ्यताओं और विषयों में ज्ञान की सृजक, संरक्षक एवं संवर्धन के रूप में महिलाओं की भूमिका का अन्वेषण करना।
- व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सह-अस्तित्व, सद्भाव व शांति-स्थापित करने में महिलाओं के योगदान को व्यक्त करना।
- महिलाओं के समक्ष वर्तमान चुनौतियों का विश्लेषण करना तथा परिवार और समाज के सहयोग से इन बाधाओं को दूर करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना।
- यह समझना कि परिवार, समाज और राष्ट्र किस प्रकार महिला नेतृत्व को प्रोत्साहन और समर्थन देने के लिए अग्रसर हो रहे हैं।
- महिलाओं के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और नागरिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना।
- स्व बोध, योग और आंतरिक शांति को उत्तरदायी नेतृत्व के मूल स्तंभों के रूप में संवाद का विषय बनाना।

अपेक्षित परिणाम

इस सम्मेलन से निम्नलिखित परिणामों की अपेक्षा की जाती है:

- **महिला नेतृत्व की गहन समझ:** ज्ञान सृजन, पर्यावरणीय स्थिरता और वैश्विक शांति को बढ़ावा देने वाली बहुआयामी शक्ति के रूप में महिला नेतृत्व की बेहतर समझ।
- **सहयोगात्मक नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण:** राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को बढ़ावा देने वाले सशक्त नेटवर्क का निर्माण।
- **समावेशी नेतृत्व के लिए नवाचारी समाधान:** समावेशी नेतृत्व को प्रोत्साहित करने और सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने वाले विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का विकास।
- **नारी सशक्तिकरण हेतु नीतिगत अनुशासक:** विभिन्न क्षेत्रों में महिला नेतृत्व की भागीदारी बढ़ाने के लिए नीतिगत सुझावों और अंतर्दृष्टि का विकास।
- **समग्र विकास के प्रति जागरूकता:** स्व बोध, नैतिक मूल्यों और आंतरिक संतुलन को राष्ट्र निर्माण के मूल आधार के रूप में पहचान।
- **वैश्विक विमर्श में योगदान:** वैचारिक निष्पत्ति और सम्मेलन कार्यवृत्त का प्रकाशन, जो महिला नेतृत्व और बेहतर विश्व निर्माण में उसकी भूमिका पर वैश्विक संवाद को समृद्ध करेगा।

उप-विषय

1. आज की नारी: चुनौती, चेतना और चरित्र

इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण की समग्र यात्रा और समाज को आकार देने में उनकी भूमिका को समझना और प्रस्तुत करना है। हम उन चुनौतियों की पहचान करेंगे, जिनका सामना महिलाएँ आज भी कर रही हैं, जैसे कार्यस्थल पर असमानता, व्यवसायिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों में संतुलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ। इस संदर्भ में जागरूकता केवल अधिकारों की पहचान नहीं है, बल्कि आंतरिक शक्ति, मूल्यों और जिम्मेदारियों की समझ भी है। यह सत्र विभिन्न दृष्टिकोणों को आमंत्रित करते हुए, समाज में महिलाओं के योगदान को मान्यता और उत्सव मनाने का अवसर देगा।

2. परिवार व्यवस्था: कल, आज और कल

इस सत्र का उद्देश्य वर्तमान समय के तीन आयामों में महिलाओं के परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था के साथ संबंधों का एक व्यापक और समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। कल? में हम अतीत से सीखने और सीमाओं को पहचानने पर जोर देंगे। "आज" में, हम महिलाओं के सामने बदलती पारिवारिक वास्तविकताओं और उनके कार्य व देखभाल पर विचार करेंगे, साथ ही समाज की अव्यावहारिक अपेक्षाओं की पहचान करेंगे। "आने वाले कल" में नए पारिवारिक ढाँचों और समानता पर चर्चा की जाएगी। हमारा लक्ष्य एक ऐसे विश्व का निर्माण करना है जहाँ परिवारों का समर्थन मिले, देखभाल की चिंता की जाए और कामकाज की संरचना मानवीय वास्तविकताओं के अनुरूप हो।

3. स्व-बोध से नागरिक-बोध तक नारी

इस सत्र का उद्देश्य आत्म-चेतना से नागरिक जागरूकता तक की परिवर्तनकारी यात्रा का परीक्षण और संवर्धन करना है। इसमें यह समझा जाएगा कि महिलाओं का व्यक्तिगत और सामूहिक विकास किस प्रकार सक्रिय नागरिकता और सामुदायिक नेतृत्व में रूपांतरित होता है। इस परिवर्तन में आने वाली बाधाओं और सहायक कारकों की पहचान की जाएगी, विभिन्न संदर्भों में महिलाओं की सफल नागरिक भागीदारी के प्रतिमानों (मॉडलों) को प्रस्तुत किया जाएगा, तथा प्रतिभागियों के लिए ऐसे व्यावहारिक मार्ग पर चर्चा की जाएगी जिनसे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रभाव, दोनों को सुदृढ़ किया जा सके।

4. वैश्विक सौहार्द, पर्यावरण संरक्षण और नारी

इस सत्र का उद्देश्य पर्यावरणीय संरक्षण को वैश्विक शांति के एक प्रभावी मार्ग के रूप में प्रस्तुत करना है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति महिलाओं की असमान संवेदनशीलता और उनकी सक्रियताएँ, जैसे पारिस्थितिक नारीवाद (इकोफेमिनिज़्म), पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निर्णय-प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी से विकसित होने वाले सतत और समावेशी समाधानों को भी उजागर किया जाएगा। यह सत्र संरक्षण की अवधारणा पर आधारित है, जो प्रकृति के साथ एक जिम्मेदार और साझेदारी भरा संबंध बनाने का आह्वान करता है। अंततः, यह सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित कर महिलाओं को पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक न्याय और वैश्विक शांति के लिए परिवर्तनकारी कारक के रूप में स्थापित करेगा।

5. सामाजिक समरसता और नारी

महिलाएँ केवल समाज की सहभागी नहीं हैं, बल्कि उसके नैतिक और सामाजिक ढाँचे की निर्मात्री भी हैं। माँ, बेटी, नेता, शिक्षिका और समुदाय निर्माणकर्ता के रूप में वे परिवार, समुदाय और समाज के मूल्यों तथा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। जब महिलाएँ सशक्त होकर नेतृत्व की भूमिकाओं में आगे बढ़ती हैं, तो वे समाज में संवेदनशीलता, समानता और सहयोग की भावना को मजबूत करती हैं। उनके योगदान को पहचानना और समर्थन देना एक ऐसे विश्व के निर्माण के लिए आवश्यक है जो समानता, समझ और साझा प्रगति पर आधारित हो। एक समावेशी समाज तभी फलता-फूलता है जब महिलाओं की आवाज़ हर स्तर पर सुनी जाती है तथा सम्मानित और सशक्त की जाती है।

6. योग: आंतरिक शांति से विश्व शांति का सार्वभौम मार्ग

यह सत्र योग की उपचारात्मक शक्ति को आंतरिक से लेकर वैश्विक शांति के मार्ग के रूप में रेखांकित करता है तथा साधिका, शिक्षिका और नेतृत्वकर्ता के रूप में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देता है। इसका उद्देश्य व्यक्तिगत कल्याण, सामूहिक सहानुभूति और विश्वशांति के बीच संबंध स्थापित करते हुए अन्वेषण करने का है। समाज के प्रति योग की परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग महिलाओं के नेतृत्व विकास में किस प्रकार करें और उसे विश्व में शांति-स्थापना करने में कैसे एकीकृत करें।



हमारे बारे में

भारतीय विश्वविद्यालय संघ

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) 1925 में स्थापित किया गया था। यह भारत का सबसे बड़ा शीर्ष (एपेक्स) उच्च शिक्षा संगठन है, जो उच्च शिक्षा, खेल, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित नीतियों पर सरकार को सलाह देता है। वर्तमान में इसके सदस्यता में 1159 विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिनमें 20 अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय भी हैं। यह संस्था भारतीय विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है तथा सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच समन्वय का कार्य करती है। इसके साथ ही AIU विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली डिग्रियों की समकक्षता प्रदान करती है और अपने सदस्य संस्थानों में खेल गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करती है। पिछले 100 वर्षों के अपने लंबे इतिहास में AIU ने भारत में उच्च शिक्षा के विकास और दिशा निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके पूर्व अध्यक्षों में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और डॉ. जाकिर हुसैन जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व भी शामिल रहे हैं।

झारखंड राय विश्वविद्यालय

झारखंड राय विश्वविद्यालय (JRU) की स्थापना वर्ष 2012 में हुई थी। यह पूर्वी भारत का एक तेज़ी से विकसित हो रहा निजी विश्वविद्यालय है, जो अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवोन्मेषी, छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धति के लिए जाना जाता है। JRU समग्र (Holistic) शिक्षा पर विशेष बल देता है, जिसमें कौशल विकास, नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व निर्माण को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि सामाजिक रूप से जिम्मेदार पेशेवरों का निर्माण किया जा सके। विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरेट स्तर के कार्यक्रम प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों में मुख्य पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विशेषीकरण, उद्यमिता और जीवन कौशल को भी समाहित किया गया है। अनुभवी संकाय और सामुदायिक-आधारित अनुसंधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ JRU का उद्देश्य ऐसे भविष्य-उन्मुख नेताओं का निर्माण करना है, जो ईमानदारी और वैश्विक क्षमता के साथ समाज की चुनौतियों का सामना कर सकें।

G100

G100 एक वैश्विक संगठन है, जिसमें 100 महिला नेतृत्व शामिल हैं जो लैंगिक समानता (Gender Equality) के लिए कार्य करती हैं। यह संगठन "He for She" के समर्थकों और विभिन्न देशों के चेरपर्सन के सहयोग से सरकारों और संगठनों के बीच जागरूकता और नीतिगत पहल के माध्यम से स्थायी प्रभाव उत्पन्न करने का लक्ष्य रखता है। G100 परिवर्तन का प्रतीक है, जो नोबेल पुरस्कार विजेताओं और पूर्व राष्ट्राध्यक्षों सहित दुनिया की प्रमुख हस्तियों को एक मंच पर जोड़ता है। इसके प्रमुख सदस्यों में Harbeen Arora Rai (संस्थापक और अध्यक्ष), Violeta Bulc (स्लोवेनिया की पूर्व उपप्रधानमंत्री), Ouided Bouchamaoui (नोबेल शांति पुरस्कार विजेता), Maya Morsy (मिस्र की राष्ट्रीय महिला परिषद की अध्यक्ष) और Jewel Howard-Taylor (लाइबेरिया की पूर्व उपराष्ट्रपति) शामिल हैं।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास वर्ष 2007 से देश की शिक्षा को औपनिवेशिकता से मुक्त करके भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं कौशल विकास आधारित वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था के निर्माण का समर्थन करता है। शिक्षा उत्थान विभिन्न शैक्षणिक स्तरों के पाठ्यक्रम निर्माण जिसमें चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास, पर्यावरण शिक्षा और वैदिक गणित आदि विषयों में अपना योगदान देता है। कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं परिचर्चाओं के आयोजन द्वारा देश की शिक्षा में मूलभूत परिवर्तन के द्वारा विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने हेतु एक जन-आन्दोलन को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रहा है।

संरक्षक

डॉ. अतुल कोठारी

राष्ट्रीय सचिव,
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

डॉ. हरबीन अरोड़ा राय

संस्थापक, G100, WICCI, WEF, Sheconomy एवं
All Ladies League

परामर्श समिति

डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (AIU)

प्रो. सविता मेंगर

कुलाधिपति, झारखंड राय विश्वविद्यालय, रांची

श्रीमती मोनिका एस. गर्ग

सेवानिवृत्त भा.प्र.से. (IAS) अधिकारी, उत्तर प्रदेश संवर्ग

प्रो. उज्ज्वला चक्रदेव

कुलपति, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

प्रो. निलोफर खान

कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर

प्रो. संगीता शुक्ला

कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

प्रो. राजुल के. गज्जर

कुलपति, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (GTU), अहमदाबाद

डॉ. टेसी थॉमस

परियोजना निदेशक, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)

डॉ. विनीता एस. महाय

निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), बोध गया

श्रीमती अनीता शर्मा

निदेशक, अभिनव सुमेधा गवेषणा संस्थान

संपर्क विवरण

सुश्री रागिनी कुमारी

सहायक प्राध्यापक
झारखंड राय विश्वविद्यालय, रांची
संपर्क: +91- 9031655506
ईमेल: AIUConference@jru.edu.in

डॉ. विजेंद्र कुमार

प्रमुख, मीटिंग्स डिवीजन/
भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU)
संपर्क: +91- 7042049614
ईमेल आईडी: meetings@aiu.ac.in

कार्यक्रम स्थल

जाना - ए लज्जरी एस्केप - ढिकुली,
जिम कॉर्बेट, उत्तराखंड, भारत
स्थान की जानकारी के लिए क्यूआर कोड (QR) स्कैन करें

